https://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

101 301(CQ)

2019

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है।

खंड–क

1. (क) 'माधवविलास' के लेखक हैं : 1

(i) राजा लक्ष्मणसिंह

(ii) गोकुलनाथ

(iii) लल्लू लाल

(iv) सदासुख लाल

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(ख) 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक हैं : 1

(i) प्रतापनारायण मिश्र

(ii) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी

(iii) बालमुकुन्द गुप्त

(iv) माधवप्रसाद मिश्र

(ग) 'अजातशत्रु' नाटक के रचनाकार हैं : 1

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) लक्ष्मीनारायण मिश्र

(iii) 'उपेन्द्रनाथ अश्क'

(iv) डॉ. रामकुमार वर्मा

(घ) 'परीक्षा–गुरु' उपन्यास के लेखक हैं : 1

(i) इलाचन्द्र जोशी

(ii) लाला श्रीनिवास दास

(iii) यशपाल

(iv) धर्मवीर भारती

(ङ) 'पैरों में पंख बाँधकर' रचना की विधा है : 1

(i) जीवनी

(ii) आत्मकथा

(iii) संस्मरण

(iv) यात्रावृत्त

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

2. (क) छायावादी युग की रचना है : 1

(i) प्रेम-माधुरी

(ii) उद्धव-शतक

(iii) चित्राधार

(iv) शारंगधर

(ख) 'झरना' के रचनाकार हैं : 1

(i) रामधारीसिंह 'दिनकर'

(ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) जयशंकर प्रसाद

(iv) 'अज्ञेय'

(ग) 'कविवचन सुधा' पत्रिका के सम्पादक थे : 1

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iv) सुमित्रानन्दन पन्त

(घ) प्रयोगवादी कवि हैं : 1

(i) भूषण

(ii) अज्ञेय

(iii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iv) महादेवी वर्मा

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(ङ) महादेवी वर्मा का गीत-संग्रह है : 1

(i) यामा

(ii) सामधेनी

(iii) राम की शक्तिपूजा

(iv) पल्लव

3. गद्यांशों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 × 5 = 10

<u>जन का प्रवाह अनंत होता है</u> । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है । जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र-निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं । जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है ।

(i) राष्ट्रीय जन का जीवन कब तक अमर है ?

(ii) जन-जीवन के प्रवाह को नदी की तरह क्यों कहा गया है ?

(iii) 'तादात्म्य' और 'अजर' का शब्दार्थ क्या है ?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(v) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

अथवा

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

नवीनीकरण में कितना ही प्रशस्त कार्य क्यों न हुआ हो, उस प्रक्रिया में यह भूलना नहीं चाहिए कि भाषा का मुख्य कार्य सुस्पष्ट अभिव्यक्ति है । यदि सुस्पष्टता एवं निर्दिष्टता से कोई भी भाषा वंचित रहे तो वह भाषा चिरकाल तक जीवित नहीं रह सकेगी । नये शब्दों के निर्माण में भी यही बात सोचनी चाहिए । इस संदर्भ में यह भी याद रखना चाहिए कि हम पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर उस शब्द की मूल आत्मा तथा सार्थकता पर उन्मुक्त विचार कर सकें ।

(i) किन विशेषताओं के अभाव में भाषा चिरकालजीवी नहीं होती ?

(ii) पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर विचार करने का क्या आशय है ?

(iii) 'सार्थकता' और 'उन्मुक्त' का शब्दार्थ लिखिए ।

(iv) रेखांकित की व्याख्या कीजिए ।

(v) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

4. पद्यांशों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 5 = 10$

सावधान, मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार ।
हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी अज्ञान;
फूल काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान ।
खेल सकता तू नहीं, ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार ।

https://www.upboardonline.com
https://www.upboardonline.com
https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(i) कवि ने विज्ञान को 'तलवार' क्यों कहा है ?

(ii) विज्ञान का प्रयोग करने में उसे शिशु समान क्यों कहा गया है ?

(iii) पूरे पद में कौन सा अलंकार है ?

(iv) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए ।

(v) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

अथवा

तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए ।
झुके कूल सों जल परसन हित मनहु सुहाए ।।
किधौं मुकुर मैं लखत उझकि सब निज-निज सोभा ।
कै प्रनवत जल जानि परम पावन फल लोभा ।।
मनु आतप वारन तीर कौं सिमिटि सबै छाए रहत ।
कै हरि सेवा हित नै रहे निरखि नैन मन सुख लहत ।।

(i) यमुना तट पर वृक्ष किस रूप में सुशोभित हैं ?

(ii) वृक्ष जल के दर्पण में क्या देख रहे हैं ?

(iii) 'तरनि-तनूजा तट तमाल तरुवर' में प्रयुक्त अलंकार लिखिए ।

(iv) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए ।

(v) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

https://www.upboardonline.com
https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी महत्त्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) 2 + 2 = 4

(i) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(iii) वासुदेव शरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय एवं उनकी महत्त्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) 2 + 2 = 4

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) जयशंकर प्रसाद

6. कथानक के आधार पर 'कर्मनाशा की हार' अथवा 'पंचलाइट' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) 4

अथवा

'ध्रुवयात्रा' अथवा 'खून का रिश्ता' कहानी के तथ्यों पर प्रकाश डालिए।

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

7. स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए : (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) 4

(i) 'कुहासा और किरण' नाटक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक के प्रमुख नारी-पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(iii) 'राजमुकुट' नाटक की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के आधार पर महाराणा प्रताप के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(iv) 'आन का मान' नाटक की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'आन का मान' नाटक के आधार पर दुर्गादास का चरित्र-चित्रण कीजिए।

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(४) 'गरुडध्वज' नाटक के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

४. स्वपठित 'खंडकाव्य' के आधार पर किसी एक खंड के प्रश्न का उत्तर लिखिए : (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) 4

(क) 'रश्मिरथी' खंडकाव्य की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खंडकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'मुक्ति यज्ञ' खंडकाव्य की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'मुक्ति यज्ञ' खंडकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(ग) 'सत्य की जीत' खंडकाव्य की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'सत्य की जीत' के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) 'आलोक वृत्त' खंडकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

'आलोक वृत्त' खंडकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'त्यागपथी' खंडकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'त्यागपथी' खंडकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) 'श्रवणकुमार' खंडकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

खंड-ख

9. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का हिन्दी में ससंदर्भ अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

हिन्दी-संस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत् । हिन्दी-हिन्दु-हिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत् । शिक्षयैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशी विश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन् ।

अथवा

प्रीतः गुरुस्तमभाषत्-सौम्य ! विदितवेदितव्योऽसि, नास्ति किमपि अविदितं तव । अद्यत्वेऽस्माकं देशः अज्ञानान्धकारे निमग्नो वर्तते, नार्यः अनाद्रियन्ते, शूद्राश्च तिरस्क्रियन्ते, अज्ञानिनः पाखण्डिनश्च पूज्यन्ते । वेद सूर्योदयमन्तरा अज्ञानान्धकारं न गमिष्यति । स्वस्त्यस्तु ते, उन्नमय पतितान्, समुद्धर स्त्रीजातिं खण्डय पाखण्डम्, इत्येव मेऽभिलाषः इयमेव च मे गुरुदक्षिणा ।

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

उदेति सविता ताम्रस्ताम्र एवास्तमेति च ।
संपत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता ।।

अथवा

प्रजानां विनयाधानाद् रक्षणाद् भरणादपि ।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः ।।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए : 2 + 2 = 4

(i) दुर्योधनः कः आसीत् ?

(ii) वसन्तकाले वृक्षाः कीदृशाः भवन्ति ?

(iii) विद्यार्थी किं त्यजेत् ?

(iv) द्वारपालः भोजं किम् अकथयत् ?

11. (क) शान्त रस **अथवा** वीर रस का स्थायीभाव तथा उसका उदाहरण दीजिए । 1 + 1 = 2

(ख) अनुप्रास अलंकार **अथवा** उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण दीजिए । 2

(ग) दोहा **अथवा** इन्द्रवज्रा छन्द की मात्राओं के साथ उदाहरण एवं परिभाषा दीजिए । 1 + 1 = 2

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) साहित्य समाज का दर्पण है

(ii) नारी सशक्तीकरण

(iii) भारतीय कृषक की समस्याएँ

(iv) महाकवि तुलसीदास

(v) बेरोजगारी की समस्या

13. (क) (i) 'इत्यादि' का संधि-विच्छेद है : 1

(A) इत्य + दि

(B) इत्य + आदि

(C) इत् + आदि

(D) इति + आदि

(ii) 'सज्जन' का संधि-विच्छेद है : 1

(A) सज् + जन

(B) सत् + जन

(C) सज्ज + न

(D) सतः + जन

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(iii) 'सन्नद्धः' का संधि-विच्छेद है : 1

(A) सन् + ध

(B) सन्द + धः

(C) सन्नध् + धः

(D) सत् + धः

(ख) (i) 'प्रतिदिनम्' में समास है : 1

(A) बहुव्रीहि समास

(B) कर्मधारय समास

(C) द्वन्द्व समास

(D) अव्ययीभाव

(ii) 'नीलोत्पलम्' में समास है : 1

(A) द्वन्द्व समास

(B) कर्मधारय समास

(C) बहुव्रीहि समास

(D) द्विगु समास

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

14. (क) 'पास्यामः' अथवा 'तिष्ठेयुः' किस धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का रूप है ? 2

(ख) (i) 'आत्मनि' रूप है आत्मन् शब्द का 1

(A) सप्तमी विभक्ति एकवचन

(B) पंचमी विभक्ति द्विवचन

(C) षष्ठी विभक्ति एकवचन

(D) तृतीया विभक्ति बहुवचन

(ii) 'येषाम्' रूप है 'यत्' शब्द (पुल्लिंग) का 1

(A) द्वितीया विभक्ति द्विवचन

(B) चतुर्थी विभक्ति द्विवचन

(C) षष्ठी विभक्ति बहुवचन

(D) पंचमी विभक्ति द्विवचन

(ग) (i) 'दृष्ट्वा' शब्द में प्रत्यय है 1

(A) अनीयर्

(B) क्त्वा

(C) तव्यत्

(D) तल्

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(ii) 'गुरुता' शब्द में प्रत्यय है 1

(A) अनीयर्

(B) तव्यत्

(C) तल्

(D) त्व

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) सः <u>पादेन</u> खञ्जः अस्ति ।

(ii) त्वं <u>कूपात्</u> जलम् आनय ।

(iii) <u>छात्रेषु</u> विवेकः श्रेष्ठः ।

15. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2 + 2 = 4

(i) तुम क्या करना चाहते हो ?

(ii) वे दोनों वाराणसी जाएँगे ।

(iii) मंजरी विद्यालय गई ।

(iv) सदा सत्य बोलना चाहिए ।

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com